देश में प्रजातंत्र की स्थापना कैसे हो सकती है ?

विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका (पुलिस व नौकरशाही) यह सब हमारे प्रजातंत्र के स्तंभ है । वर्तमान स्थिति में प्रजातंत्र को मजबूत करने के लिए निम्न सुधार होने चाहिए :-

राजनीतिक सुधारों में:-

1. प्रधानमंत्री (पी. एम.) व मुख्यमंत्री (सी. एम.) का चुनाव सीधे जनता के द्वारा हो।
2. सांसद (एम.पी.) व विधायक (एम. एल. ए.) की पैंशन उनके वेतन के बराबर हो । उनकी आय का कोई अन्य साधन ना हो।
3. जिसके नाम चल व अचल संपत्ति (स्वयं, पति/पत्नी और अव्यस्क बच्चे) हो वह देश को दान करें। (इनके लागू होने पर राजनीति में केवल वही लोग प्रवेश कर पाएंगे जो वास्तव में देश की सेवा करना चाहते हैं।)

न्यायिक सुधारों में:-

1. प्रत्येक 5 जिलों में एक हाई कोर्ट का बेंच हो व प्रत्येक 5 राज्यों में सुप्रीम कोर्ट का बेंच हो।
2. समय बद्ध न्याय हो, किसी भी अदालत में किसी भी मुकद्दमे में 6 महीने या 6 सुनवाई जो दोनों में कम है से ज्यादा का समय ना लगे ।
3. न्यायालय में चल रहे सारे पुराने मुकद्दमे समाप्त कर दिए जायें ।

पुलिस के सुधारों में:-

1. सप्ताह में 28 कार्य घंटे (ड्यूटी) हो । आज उनका कार्यकाल 24X7 का है जिससे उनकी सेहत को काफी हानि पहुंचती है ।
2. दो गुना वेतन हो ।
3. जिसका पेट बेल्ट से बाहर आए वह स्वयं इस्तीफा दे । इसके लिए 6 से 12 महीने का समय दिया जाना चाहिए ताकि वह सब अपने आप को ठीक कर सके ।

नौकरशाही/ ब्यूरोक्रेसी:- इसके बारे में यह कहा जाता है कि इनकी रीढ़ की हड्डी नहीं होती । इनको जैसा चाहे वैसा मोड़ा जा सकता है ।

जब प्रजातंत्र के सारे स्तंभ (राज नीतिक, न्यायिक व पुलिस) मजबूत होंगे तो नौकरशाही स्वयं ठीक कार्य करेगी यानि प्रजातंत्र मजबूत होगा ।

यदि आप अपने देश हिन्दुस्तान को स्वर्ग बनाना चाहते हैं तो प्रजातंत्र के सारे स्तंभ मजबूत हो जो ऊपर लिखित सुधारों के लागू होने पर **हो सकता है ।**

श्री परमधाम, मेरठ